मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर अपने दो-साप्ताहिक, बहु-विषयक रिफ्रेशर कोर्स का समापन किया

नई दिल्ली, 25 अगस्त, 2025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) ने 22 अगस्त, 2025 को एक समापन सत्र आयोजित कर हाइब्रिड मोड में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर अपने दो-साप्ताहिक बहु-विषयक रिफ्रेशर कोर्स का सफलतापूर्वक समापन किया। पाठ्यक्रम का मुख्य विषय 'एआई एज़ ए कटैलिस्ट फॉर अकेडमिक सिनर्जी' था।

समापन भाषण जामिया मिल्लिया इस्लामिया के रजिस्ट्रार एवं मुख्य अतिथि प्रो. महताब आलम रिज़वी ने दिया, जिन्होंने मानद निदेशक, प्रो. कुलविंदर कौर और एमएमटीटीसी की उनकी टीम को ऐसे प्रासंगिक विषय पर रिफ्रेशर कोर्स आयोजित करने के लिए बधाई दी। प्रोफेसर रिज़वी को निदेशक और समन्वयकों के मार्गदर्शन में एमएमटीटीसी की तकनीकी टीम द्वारा तैयार एक संक्षिप्त एवी वृत्तचित्र के माध्यम से दो सप्ताह के विकास का आभासी विज़िट कराया गया। उन्होंने प्रतिभागियों के समृद्ध अनुभव हेतु प्रतिष्ठित विशेषज्ञों को आमंत्रित करने के लिए कंप्यूटर विज्ञान विभाग के प्रोफेसर मनसफ आलम, कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर सरफराज मसूद और कंप्यूटर विज्ञान विभाग के डॉ खालिद रजा के योगदान की सराहना की। उन्होंने हमारे दैनिक जीवन में एआई को अपनाने के महत्व को रेखांकित किया, लेकिन ऐसा करते समय सभी प्रतिभागियों को नैतिक और सतर्क रहने की आवश्यकता के प्रति संवेदनशील भी बनाया।

दो हफ़्तों तक चले इस कार्यक्रम में भारत भर के विभिन्न संस्थानों के 81 संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। ये सत्र बहु-विषयक थे, जिनमें न केवल कंप्यूटर विज्ञान, बल्कि चिकित्सा, कृषि, प्रबंधन और वित्त के विशेषज्ञ भी शामिल हुए; जिससे विचारों और दृष्टिकोणों का समृद्ध आदान-प्रदान हुआ।

इस कोर्स में 11 भारतीय राज्यों के प्रमुख संस्थानों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिष्ठित वक्ताओं ने भाग लिया और एआई के विभिन्न क्षेत्रों पर व्याख्यान दिए। दिल्ली स्थित विद्वानों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिनमें प्रो. जाहिद रजा (जेएनयू) शामिल थे, जिन्होंने 'एआई: प्रचार और तथ्य' प्रस्तुत किया; प्रो. फरहीन सिद्दीकी (जामिया हमदर्द) ने 'हेल्थकेयर में एआई' पर बात की; प्रो. डी.के. लोब्याल (जेएनयू) ने 'मशीन लर्निंग: सीमाएं और उसके आगे' को संबोधित किया; एनआईटी दिल्ली के डॉ. अनुराग सिंह ने 'जेनेरेटिव एआई और चैटजीपीटी' पेश किया; दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. ओमपाल ने एआई प्रणालियों के लिए क्वांटम कंप्यूटिंग पर एक व्याख्यान दिया; डॉ. किरण चौधरी ने एआई नैतिक प्रथाओं की जांच की; प्रो इंद्रकांत के सिंह ने जैव सूचना विज्ञान में एआई की खोज की; जामिया मिल्लिया इस्लामिया, केंद्रीय विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व प्रोफेसर सुरैया जबीं, प्रोफेसर मोहम्मद अमजद, प्रोफेसर तनवीर अहमद, डॉ. तनवीर, डॉ. मोहम्मद जीशान अंसारी, प्रोफेसर रविंस, प्रोफेसर रफत परवीन ने किया,

जिन्होंने तंत्रिका नेटवर्क, पर्यवेक्षित शिक्षण, वित्त और सेमिनार-आधारित एआई अनुप्रयोगों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण और व्याख्यान दिए।

उत्तर प्रदेश के विशेषज्ञों ने भी अपना योगदान दिया, जिनमें प्रो. राशिद अली और प्रो. एम.एम. शामिल थे। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के सूफियान बेग ने प्रभावी अनुसंधान के लिए एआई और एमएल और एआई टूल्स का उपयोग करते हुए साइबर सुरक्षा पर बात की। आईआईटी पटना, बिहार के प्रो. आसिफ इकबाल ने प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण के लिए डीप लर्निंग पर विशेष व्याख्यान और व्यावहारिक सत्र दिए। पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के डीन प्रो. सतविंदर सिंह ने शिक्षकों और शोधकर्ताओं के लिए बड़े भाषा मॉडल के बारे में बात की। हैदराबाद विश्वविद्यालय के प्रो. आलोक सिंह ने आर्टिफीसियल बी कॉलोनी एल्गोरिदम और इसके अनुप्रयोगों पर चर्चा की, एमएएनयूयू के प्रो. सैयद इम्तियाज हसन ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्थिरता पर प्रस्तुति दी और हैदराबाद विश्वविद्यालय के प्रो. सलमान अब्दुल मोइज ने नैतिकता और एआई गवर्नेंस को संबोधित किया। एमएनआईटी जयपुर के डॉ. मुश्ताक अहमद ने मशीन लर्निंग का उपयोग करते हुए ओपनएमपी-आधारित पैरेलाईजेशन में थ्रेड ऑप्टिमाइज़ेशन पर व्याख्यान दिया। सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, गुजरात के प्रो. अतुल एम. गोंसाई ने मशीन लर्निंग का उपयोग करके एआई के अनुप्रयोगों पर चर्चा की; आईआईटी इंदौर के प्रो. एम. तनवीर ने बड़े पैमाने पर मशीन लर्निंग एल्गोरिदम और अनुप्रयोगों पर प्रस्तुति दी। जम्मू विश्वविद्यालय के प्रो. विनोद शर्मा और डॉ. संदीप आर्य ने जेनरेटिव एआई और मल्टीमॉडल सिस्टम: एक नया युग; और इलेक्ट्रॉनिक्स में एआई पर व्याख्यान दिया।

यूजीसी के निर्देशानुसार, प्रतिभागियों को उनके सीखने के परिणामों की जाँच के लिए गहन मूल्यांकन अभ्यास से गुजरना पड़ा। इनमें MCQ टेस्ट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संबंधित विषयों पर समूह प्रस्तुति शामिल थी। फीडबैक सत्र में, ऑनलाइन और ऑफलाइन, दोनों प्रतिभागियों ने प्रो. रिज़वी के साथ बातचीत की और उन्हें आश्वस्त किया कि इस पुनश्चर्या पाठ्यक्रम से प्राप्त ज्ञान उन्हें अपने शैक्षणिक और शोध कार्यों में उभरती एआई तकनीकों के साथ अधिक प्रभावी ढंग से जुड़ने में सक्षम बनाएगा। इसके बाद मुख्य अतिथि द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गए और ऑफलाइन व ऑनलाइन प्रतिभागियों के साथ समूह तस्वीरें ली गईं। कार्यक्रम का समापन एमएमटीटीसी, जामिया की ओर से श्री अमीरुल्लाह सिद्दीकी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी